दिल्ली अधीनस्थ सेवा चयन बोर्ड

DSSSB PRT, TGT & PGT

ROJGAR With ANKIT

Part(A+B)

SCHOLAR BATCH

हिन्दी

वाक्य

LIVE 04-04-2024 09:00 AM

वाक्य के अंग
उद्देश्य - कर्ता
विधेय - क्रिया

वाक्य

रचना के आधार पर - 3

- सरल वाक्य
- मिश्र वाक्य
- संयुक्त वाक्य

अर्थ के आधार पर - 8

- विधान — विधिवाचक
- निषेधवाचक
- आज्ञावाचक
- विस्मयवाचक
- सन्देहवाचक
- इच्छावाचक
- संकेतवाचक
- प्रश्नवाचक

परिभाषा- सार्थक शब्दों का वह क्रमबद्ध समूह जिससे कोई भाव स्पष्ट होता हो उसे वाक्य कहते हैं।

अमर है भोला लड़का

अमर भोला लड़का है।

- अमर → उद्देश्य
- अमर भोला लड़का है। → वाक्य
- भोला लड़का है → विधेय

साधारण

(1) सरल वाक्य – वे वाक्य जिनमें एक उद्देश्य तथा एक विधेय हों सरल या साधारण वाक्य कहलाते हैं।

राम खाता है।

नोट - कभी-कभी उद्देश्य दो हो जाते हैं किन्तु विधेय एक ही होता है

राम और मोहन अच्छे मित्र हैं।

- राम पढ़ता है।
- तुम कहां रहते हो?
- आप अपनी समस्या बताए।
- लड़के ने अपना दोष मान लिया है।
- मोहन और सुरेश ने चोर को पीटा।
- राकेश ने भोजन किया।
- उसने अपने को निर्दोष घोषित किया।
- बन्दर पेड़ पर चढ़ रहे थे।

- मैनें लड़कों को बुलाया।
- परिश्रमी बालक सफल होते है।
- आशा अच्छा गाती है।
- मोहन को पुस्तक दो।
- मैं यहाँ आकर बीमार पड़ गया।
- वह सहस्त्र सैनिकों का सेनापति चुना गया।
- सूर्योदय होने पर कुहासा जाता रहा।
- वह दो दिन यहाँ रहकर सबका प्रिय हो गया।

(2) मिश्रित वाक्य – वे वाक्य जिनमें एक साधारण वाक्य हो तथा उसके अधीन या आश्रित दूसरा उपवाक्य हो उसे मिश्र वाक्य कहते है।

योजक शब्द – ज्यों, जिसका, जिसकी, क्योंकि, चूंकि, इसलिए, यद्यपि, जो-सो, जहाँ-वहाँ, जिधर-उधर, जिस प्रकार, उस प्रकार, जैस-वैसे, जब-तब, अगर, जिसे, उतना, इतना, जितना, कि आदि।

मिश्रित वाक्य दो उपवाक्यों से मिलकर बनता है।

प्रधान उपवाक्य – जो उपवाक्य पूरे वाक्य से पृथक भी लिखा जाए तथा जिसका अर्थ किसी दूसरे पर आश्रित न हो, उसे प्रधान उपवाक्य कहते है।

जैसे – वह कौन सा मनुष्य है, जिसने महाप्रतापी राजा भोज का नाम न सुना हो।

आश्रित उपवाक्य – आश्रित उपवाक्य प्रधान उपवाक्य के बिना पूरा अर्थ नहीं दे सकता। यह स्वतंत्र भी नहीं लिखा जा सकता।

जैसे - इस मेले का उद्देश्य है कि व्यापार में वृद्धि हो।

जब राम जायेगा तब मोहन आयेगा।

- प्रधानाचार्य ने बताया कि कल विद्यालय में अवकाश रहेगा।
- मैं चाहता हूँ कि तुम्हारे साथ व्यापार करूं।
- जिसे आप ढूँढ़ रहे हो वह मैं नहीं हूँ।
- ज्यों ही मैं पढ़ने बैठा बिजली चली गई।
- आप चाहते है कि भारत तरक्की करे।
- मोहित ने उस युवक को पीटा जिसने जेब काटी थी।
- क्योंकि रजत बीमार था इसलिए वह विद्यालय नही गया।

- यद्यपि रोहन गरीब है फिर भी वह ईमानदार है।
- जैसे ही सूर्योदय हुआ वैसे ही कुहासा जाता रहा।
- जब राम जायेगा तब मोहन आयेगा।
- राजनीति अब एक व्यवसाय बनती जा रही है, जो गुण्डागिरी के बल पर चलती है।
- वह कौन सा मनुष्य है जिसने महाराणा प्रताप का नाम न सुना हो।
- जब वह दो दिन यहाँ रहा तब वह सबका प्रिय हो गया।

(3) संयुक्त वाक्य – जिन वाक्यों में दो या दो से अधिक सरल वाक्य समुच्चय बोधक अव्ययों द्वारा जुड़े हो। उन्हें संयुक्त वाक्य कहते है।

समुच्चय बोधक

योजक शब्द – और, एंव, या, अथवा, तथा, इसलिए, फलतः, फिरभी, किन्तु, परन्तु, लेकिन, पर, अतः, तो, नहीं तो, व आदि।

- मजदूर मेहनत करता है किन्तु उसके लागत से वंचित रह जाता है।
- सम्पूर्ण प्रजा शान्ति पूर्वक एक दूसरे से व्यवहार करती है और जाति द्वेष क्रमशः घटता जाता है।
- सूर्योदय हुआ और कुहासा जाता रहा।
- मोहन गरीब है परन्तु वह ईमानदार है।
- मोहित बीमार था फलतः वह विद्यालय नहीं गया।

- बादल छाए और वर्षा होने लगी।
- रात बीत गई तथा सुबह हो गयी।
- रोहन मुंबई गया व सतीश पंजाब गया।
- तुम नहीं जा सकते तो मोहित को भेज दो।
- आप पहले आराम करेगें या आपके के लिए भोजन ले आंऊ।
- जल्दी चलो नहीं तो पकड़े जाओगे।
- वह अमीर है फिर भी सुखी नहीं है।
- वह दो दिन यहाँ रहा और वह सबका प्रिय हो गया।